इस सितम्बर DSEi दुनिया की सबसे हथ्यार मेला फिरसे ExCel centre में मौजूद होगा. इन हथ्यार कंपनियों के फ़ायदा के लिए, एक्स्सलसेण्टर के सामने वाले आम रस्ते बंद रहेंगे और डलर स्टेशन भी बंद रहेंगे. इस हथ्यार मेला, न्यूहम के निवासिओ को देगा. और इस दुनिया के युध्भूमि में रहेनावाले आबादियों के लिए, यह मेला, मौत की सजा जेसे है.

लिब्या और बहरैन जैसे जुलमी देशो, जिन्होने अपने शेहरीओ को खून कियें है, जुम्हुर्यत के लिए लड़ने वालो का कतल किये हे, और हजारों बचों को लावारिस बनाये है, इस मेला से हथ्यार खरीदे है. गज़ा पर हमला करने के बाद, इस्त्रैल ने अपने युद्ध के लिए काबिल हथ्यारो का नुमाइश किया. इन हथ्यारो का इस्तमाल के वाजे से १३०० मासूम फिलिस्तीनी का कतल हुआ. इस साल, इंग्लेंड की सर्कार न्यूहम के कौंसिल बजट से ११.६ करोड़ काट रही हे, और इन विदेशी हथ्यार के सौदागरों का खातिर के लिए लाखों खर्च कर रहें हैं.

न्यूहम के कई निवासिओ ने हत्यारों का सौदा का मौत सा असर ज़रूर महसूस किये होंगे. और मुहाले के बुज़ुर्ग को जर्मन बमबारी व गोलाबारी की यद् है. न्यूहम कौंसिल के मुताबिक, इस मेला के वजहसे कस्टम हॉउस के नीवासी पर ख़राब असर पड़ता है. और न्यूहम कौंसिल ने इस मेला के खिलाफ एक मत से मतदान किया. लेकिन न्यूहम के नीवासीओ का विपक्ष के बाद भी, यह मेला १३ सितम्बर से चलो होगा.
हमारा हथ्यार रोको आन्दोलन १३ सितम्बर को जुलुस करेंगे ताकि यह मेला वापस कभी न आएगा. लेकिन हमें मालूम है की यह जुलुस और पुलिस का जवाब के न्यूहम के निवासिओ को असुविदा का सामना करना पड़ेगा. इस बात पर हमें बड़ा अफ्सोज़ हे, और हम आपसे माफ़ी कहते है.

अगर आप इस जुलुस में शामिल होना कहते तो आपको www.stopthearmsfair.org.उक पर और जानकारी मिलेगा.

इस बयान की पूरी हिंदी तर्जुमा हमारी वेबसाइट पर मिलेगी.

This September DSEi, one of the world's largest arms fairs, will once again arrive at the ExCel centre. While the international arms industry descends on Newham, public roads around ExCel will be shut and DLR stations will be closed to residents for the comfort of the arms dealers. The arms fair is trouble for those living in Newham. It is deadly for people living in conflict zones around the world.

Countries including Libya and Bahrain which have since turned their weapons against pro-democracy protesters, civilians, and children shopped at the last fair. Israel hosted a pavillion of its "battle-tested" weapons just months after its attacks on Gaza left over 1,300 civilians dead. At a time when Newham is facing cuts of £116 million from the council budget, the government will spend hundreds of thousands on hosting foreign military delegations while they shop for weapons at the arms fair.

Many local residents have direct experience of the devastating impact of the arms trade, and older residents still have vivid memories of the heavy bombing the area suffered during World War Two. A report by Newham borough council found that the arms fair "had a very significant negative impact on local people, especially in the Custom House area", and the council voted unanimously against DSEi. Yet despite the protests of local people, the fair will open on September 13th.

The Stop the Arms Fair coalition are calling a day of action on 13th September which will bring protesters into the area. The day will involve protests, vigils, and creative actions on DLR trains. These are aimed at making sure the arms fair and the disruption it causes the local community never happens again. However, we recognise that demonstrations and the way police respond to them may cause inconvenience for local residents and apologise if this affects you.

If you're considering taking action, see www.stopthearmsfair.org.uk for more information.